प्रभात खबर
कोलकाता, शुक्रवार, 6 जून, 2014
www.prabhatkhabar.com
11

...प्ररमैन रमेश अभिषेक एवं ...प वाधवान शामिल होंगे. ...र संभालने के बाद वित्तीय क्षेत्र ...कात कर चुके हैं.

(जीडीपी) की वृद्धि दर 4.7 प्रतिशत रही है, जबकि 2012-13 में यह 4.5 प्रतिशत थी. 2013-14 में विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन 0.7 प्रतिशत घटा है.

भारत-बांग्लादेश में चावल बीज का हो औपचारिक व्यापार

औपचारिक कारोबार से दोनों देशों के बीच होगा 110 करोड़ का व्यापार

कोलकाता. भारत के पूर्वी क्षेत्र व बांग्लादेश में चावल की खेती पर यहां के अधिकतर लोगों की जीविका निर्भर करती है, लेकिन अभी भी दोनों ही देश में उत्तम श्रेणी के बीज की कमी है और साथ ही दोनों देश धान के बीज को लेकर एक साथ मिल कर कार्य नहीं कर रहे. अगर दोनों देश धान के बीज को लेकर आपस में औपचारिक व्यापार करें, तो इससे दोनों देशों के बीज सिर्फ धान की बीज को लेकर प्रत्येक वर्ष 110 करोड़ रुपये का कारोबार होगा. साथ ही दोनों देशों में चावल के उत्पादन में भी 10-15 फीसदी की वृद्धि होगी. उपभोक्ता अधिकार और बाजार प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र में काम करने वाले एक गैर सरकारी संगठन ने भारत और बांग्लादेश के बीच धान के बीज के औपचारिक व्यापार की सिफारिश करते हुए कहा है कि इससे दोनों देशों के किसानों के जीवन स्तर में सुधार लाने में मदद मिलेगी. कंज्यूमर यूनिटी एंड ट्रस्ट सोसाइटी (कट्स) ने एक अध्ययन के आधार पर अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा है कि दोनों देशों के किसान धान के बीज के कारोबार से लाभान्वित हो सकते हैं. संगठन के अनुसार इसकी औपचारिक व्यवस्था न होने से अभी सीमा के जरिये धान के बीज की तस्करी होती है. भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के अध्ययनों का हवाला देते हुए रिपोर्ट कहा गया है कि इस प्रकार के औपचारिक व्यापार से दो करोड़ डॉलर से अधिक का बाजार खुलने, उपज बढ़ने और जीवन स्तर में सुधार की दृष्टि से लाभ हो सकता है. कट्स के नीतिगत विश्लेषक एस पी सिंह ने यहां संवाददाताओं से कहा कि शोध दर्शाते हैं कि दोनों देशों के बीच एक दूसरे के यहां के धान के बीज का इस्तेमाल करते हैं और इसके लिए अभी तस्करी की जाती है. कट्स एक गैर-सरकारी संगठन है, जो क्षेत्रीय व्यापार बाधाओं और अन्य मुद्दों के बारे में अध्ययन करता है.